



पेज 8

भारतीय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा होंगे पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

दैनिक

हिंदमतामिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुखा खबर



पेज 8

रुतुराज गायकवाड़ ने तोड़ा विराट कोहली का वर्ल्ड रिकॉर्ड



सुप्रभात

सचमुच महान वह है जो समूह में रहते हुए भी एकांत का आनंद ले सकता है।
काम प्रत्येक मनुष्य का प्राण-रक्षक है। - एमरसन



मौसम का भिजाज

सूर्यास्त (12 जून) 7:16 बजे, सूर्योदय (13 जून) 6:01 बजे, तापमान: 33 डिग्री से. (हल्की बारिश।)

शॉर्ट स्टोरी

शरद पवार की पार्टी का कांग्रेस में होगा विलय?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

सूत्रों के हवाले से खबर है कि कांग्रेस हाईकमान ने दिग्विजय नेता शरद पवार को अपनी पार्टी एनसीपी (एनसीपी) का कांग्रेस में विलय करने का बड़ा प्रस्ताव दिया है। जहां एक तरफ इस महा-विलय की चर्चा तेज है, वहीं दूसरी तरफ शरद पवार की एनसीपी में फूट की खबरें भी चर्चा में हैं। खबर है कि शरद पवार गुट के तीन विधायक महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष से मिले हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि वे जल्द ही पाला बदलकर बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के लिए यह दोहरी चुनौती की स्थिति पैदा हो गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कांग्रेस के सम्भावित एकीकरण का पुरजोर समर्थन किया है।

हाई-एथेनॉल पेट्रोल पर एक्साइज इयूटी हटाई

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने हाई इथेनॉल वाले पेट्रोल को एक्साइज इयूटी से पूरी तरह मुक्त कर दिया है। 12 प्रतिशत से 30 प्रतिशत इथेनॉल वाले पेट्रोल पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इस नई और बड़ी छूट में विशेष रूप से ई 22, ई 25, ई 27 और ई 30 जैसे महत्वपूर्ण पेट्रोल वैरिएंट्स पूरी तरह शामिल हैं। यह ई 20 से ऊपर के इथेनॉल मिश्रण के लिए सरकार द्वारा दिया गया पहला सबसे बड़ा वित्तीय प्रोत्साहन है। इसे व्यापक परीक्षण के बाद लागू किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण फैसला भारत के बायोफ्यूल कार्यक्रम को तेजी से विस्तार देने के लिए लिया गया है। इससे आयातित कच्चे तेल पर भारत की भारी निर्भरता को पूरी तरह से कम करना है।

बेरोजगार पिता भी खर्च देने के लिए जिम्मेदार

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

मुंबई हाई कोर्ट ने कहा है कि कोई पिता बेरोजगारी का हवाला देकर अपने नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण का खर्च देने से बच नहीं सकता। कोर्ट ने भरण-पोषण राशि कम करने की एक व्यक्ति की याचिका खारिज करते हुए यह बात कही। हाई कोर्ट की नागपुर पीठ के न्यायमूर्ति एम.एम. नारलीकर ने व्यक्ति द्वारा निवली अदालत के उस आदेश को चुनौती देने की अर्जी पर ये फैसला दिया, जिसमें उसके अपने दो नाबालिग बच्चों के लिए गुजारा भत्ता के तौर पर हर महीने 4,000 रुपए देने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह ऑटो-रिक्शा चलाता था, लेकिन तलाक राशि के लिए उसे वह गाड़ी बेवनी पड़ी।

दो करोड़ डॉलर का नकली सामान जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ हांगकांग

विश्व कप शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही हांगकांग में अधिकारियों ने करीब दो करोड़ डॉलर दाम की 230000 नकली चीजें बरामद की हैं जिनमें सुपरस्टार फुटबॉल खिलाड़ियों की फर्जी जर्सी शामिल हैं। हांगकांग के कस्टम विभाग के सीनियर इंसपेक्टर वेन चुंग ने बताया कि बरामद किए गए सामान में 30000 जर्सी हैं जिनमें से कुछ तो इतनी सफाई से बनी हैं कि टीम की असली जर्सी से अंतर कर पाना मुश्किल है। ये सारा सामान विदेशी बाजार के लिये था और 80 प्रतिशत अमेरिकी महाद्वीप के लिए हैं। इनके अलावा जूते, घड़ियां, स्पोर्ट्स और हैंडबैग भी मई से जून तक चले अभियान के तहत बरामद किए गए हैं।

हिंदमाता एंकर:

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसा एक बार फिर चर्चा में , आज आ सकती है एएआईबी की 260 मौतों की जांच रिपोर्ट

रोहित पवार का बड़ा हमला, कहा- रिपोर्ट का इंतजार करने वाले सत्ता के दलाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच रिपोर्ट में 'हो रही देरी और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे के मामले को लेकर सत्ताधारी पक्ष के साथ-साथ अपने राजनीतिक विरोधियों पर भी तीखा हमला बोला है। उन्होंने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जाहिर की।

एक साल में पेश की जानी चाहिए रिपोर्ट



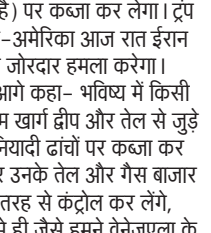
सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट करते हुए रोहित पवार ने लिखा कि अहमदाबाद विमान हादसे को लगभग एक वर्ष पूरा होने जा रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी विमान दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट एक वर्ष के भीतर प्रस्तुत की जानी चाहिए, लेकिन अब तक अंतिम रिपोर्ट सांजनिंक नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अखंड की जांच तकनीकी प्रकृति की होती है और इसमें अपराधिक जांच शामिल नहीं होती। इसके बावजूद रिपोर्टों में देरी होना गंभीर सवाल खड़े करता है।

अजित पवार हादसे की जांच को लेकर भी उठाए सवाल



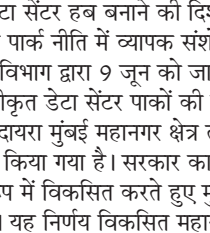
रोहित पवार ने आगे महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे का उल्लेख करते हुए उन लोगों पर भी हमला बोला, जो कहते हैं कि रिपोर्ट आने तक इंतजार करना चाहिए। उन्होंने लिखा कि एएआईबी की जांच में अपराधिक पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। यह जानते हुए भी कि रिपोर्ट में देरी हो रही है जो लोग कहते हैं कि अजित दादा के हादसे पर रिपोर्ट आने दो, हमें उसका इंतजार करना चाहिए। वे लोग सत्ता के दलाल, सत्ता के भूखे, गंदे और एहसान फरामोश हैं।

व्या दोस्ती और रिश्ते सिर्फ भाषणों में ही रह गए



अपने बयान में रोहित पवार ने भावनात्मक सवाल भी उठाया। उन्होंने कहा कि कई नेता मंचों से दोस्ती, रिश्तों और संबंधों की बातें करते हैं, लेकिन जब वास्तविक परिस्थितियाँ सामने आती हैं तो वही लोग चुपचाप साध लेते हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उनका यह बयान उन नेताओं की ओर इशारा करता है जो अजित पवार से नजदीकी दिखाते हैं, लेकिन विमान हादसे के मामले में खुलकर कोई रुख नहीं अपनाते।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना फिर चर्चा में



अहमदाबाद विमान हादसा एक बार फिर से चर्चा में है। इसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी। दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट अब तक सांजनिंक नहीं होने के कारण जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इसी संदर्भ में रोहित पवार ने एएआईबी की कार्यप्रणाली पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रश्नबिंदू लगाते हुए अजित पवार के विमान हादसे की रिपोर्ट का इंतजार करने की सलाह देने वालों को निशाने पर लिया है।

सुनेत्रा पवार के विमान में तकनीकी

ब्रिटिश पुलिस ने बंबई उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश गौतम पटेल और उनके परिवार को धमकी मिलने के बाद उन्हें सुरक्षा मुहैया करवाई है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ब्रिटेन की आधिकारिक न्यायात्रा पर गए पटेल के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सूर्यकांत में भारतीय उच्चायुक्त पी. कुमारन के समक्ष यह मुद्दा उठाया था।

सूर्यकांत ने मुताबिक, सीजेआई और भारतीय उच्चायुक्त को यह बैठक न्यायमूर्ति पटेल के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुई जिसमें उन्होंने कहा था कि लंदन में उनकी बेटी के घर पर एक धमकी भरा पत्र भेजा गया था। न्यायमूर्ति पटेल को मिलाई धमकियाँ 2024 के एक अहम फैसले से जुड़ी हैं, जो उन्होंने दाऊदी अहिरा समुदाय के आध्यात्मिक गुरु, सैयदा के उत्तराधिकार और पद के अधिकार को लेकर दिया था। इस फैसले के खिलाफ अभी अपील लांबित है। न्यायमूर्ति पटेल ने हाल में यह भी बताया था कि पिछले 10 महीनों में उनके परिवार को कई घमसाना पत्र मिले हैं।

विचार प्रवाह



व्यक्ति अकेले पैदा होता है और अकेले मर जाता है, और वो अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल खुद ही भुगतता है, और वह अकेले ही नर्क या स्वर्ग जाता है।

- चाणक्य

संपादकीय

बाढ़ से बचाव को अतिरिक्त पानी इस्तेमाल करें

हमारे नीति-निंयता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन-धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे स्पष्टकर संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर-तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बावत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग की लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत श्रृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती का महत्त्व ही हद तक भूल जा रही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता। तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले। खासकर उन किसानों को जिनके खेत नहर के अंतिम छोर पर स्थित हैं। इससे हमारी जमीन के ऊपर मौजूद पानी के स्रोतों पर निर्भरता ज्यादा बढ़ेगी। साथ ही इन कदमों से जमीन के भीतर के पानी के भंडारों पर दबाव भी कम हो सकेगा। इसके साथ ही, सहयोगी राज्यों के साथ जलाशयों के कामकाज में पारदर्शिता और दूरदर्शिता के साथ तालमेल बैठाना होगा। पानी की भरपूर उपलब्धता से मुश्किल हालात का सामना करने की क्षमता बढ़नी चाहिए, न कि जोखिम को बढ़ावा दिया जाए। आज जलाशयों में जगह खाली करना भविष्य में मौसम से जुड़ी अनिश्चितताओं से निबटने के लिये सबसे अच्छा उपाय साबित हो सकता है।

आज का इतिहास



- 1987 - ब्रिटिश चुनावों में माफिर्ट थैचर की तीसरी बार ऐतिहासिक विजय।
- 1998 - भारत और पाकिस्तान को परमाणु परीक्षण के कारण जी-8 के देशों द्वारा ऋण नहीं देने का निर्णय।
- 1999 - पाकिस्तानी रक्षा बजट में लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि, ईस्ट टिमोर के लिए 'मिशन' हेतु संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्वीकृति।
- 2001 - सीमा मुद्दे पर भारत-बांग्लादेश वार्ता शुरू।
- 2002 - स्वीडन के साथ मैच ड्रा होने के साथ ही अर्जेन्टीना विश्व कप फुटबाल से बाहर।
- 2004 - सवन्ना (जार्जिया) में समूह-8 सम्मेलन सम्पन्न। अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने उत्तरी कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जांग इद्वितीय के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव टुकुराया।
- 2007 - कनाडा में होने वाले जीव विज्ञान ओलम्पियाड में चार भारतीयों का चयन। आस्ट्रेलियाई स्कूलों में सिकख छात्रों को धार्मिक प्रतीक कृपाण रखने की इजाजत मिली।
- 2008 - दक्षिणी एशियाई फुटबाल महासंघ वर्ष 2009 हेतु छठी सैफ फुटबाल चैम्पियनशिप की मेजबानी सौंपी। प्रख्यात फिल्म निदेशक मृणाल सेन को 10वें ओसियाना सिनेफेन फिल्म समारोह में पुरस्कृत किया गया।
- 2016 - साइना नेहवाल ने दूसरी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीता।
- 1957 - गीतांजलि श्री - हिन्दी की जानी मानी कथाकार और उपन्यासकार हैं।
- 1957 - नरेन्द्र सिंह तोमर - भारतीय जनता पार्टी के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ।
- 1949 - सुरुज बाई खांडे - छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध भरतरी गायिका थीं।
- 1947 - बंडारा दत्तात्रेय - भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ राजनीतिज्ञों में से एक हैं।
- 1935 - श्यामा - भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में से एक थीं।
- 1932 - ई. श्रीधरन - भारत के प्रसिद्ध सिविल इंजीनियर हैं। कोंकण रेलवे और दिल्ली में मेट्रो रेल का श्रेय इन्हीं को जाता है।
- 1932 - पद्मिनि, हिन्दी, तमिल और मलयालम चलचित्र अभिनेत्री (जिस देश में गंगा बहती है) जयश्री तल्पड़े, मराठी अभिनेत्री (श्रीमतीर्ली)।
- 1915 - सी. के. नागराज राव - कन्नड़ लेखक, नाटककार, मंच कलाकार, निदेशक, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता थे।
- 2017 - सी. नारायण रेड्डी - ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित तेलुगु भाषा के प्रख्यात कवि थे।

भरोसे की कसौटी

पूँजी बाजार की मजबूती के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही अनिवार्य

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत का पूंजी बाजार पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व विस्तार का साक्ष्य बना है। डीमैट खातों की संख्या तेजी से बढ़ी है, छोटे शहरों और कस्बों से लाखों नए निवेशक शेयर बाजार से जुड़े हैं और एसआईपी तथा म्यूचुअल फंड के माध्यम से आम परिवारों की भागीदारी भी बढ़ी है। ऐसे दौर में किसी बड़ी सूचीबद्ध कंपनी से जुड़ा विवाद केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे बाजार की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा देता है।



बढ़ता बाजार, बढ़ती जिम्मेदारी

कठित रूप से ₹15.15 लाख करोड़ रुपये के राजस्व के माध्यम से बाजार का आरोप

प्रकटीकरण की पारदर्शिता जरूरी

राजेश एक्सपोर्ट्स स्वर्ण शोधन, आभूषण निर्माण और निर्यात क्षेत्र की प्रमुख कंपनी है। ऐसी कंपनियों की आय का बड़ा हिस्सा विदेशी सहायक कंपनियों और सीमा-पार लेनदेन से आता है। इसलिए उनके वित्तीय खुलासों में पारदर्शिता और अधिक आवश्यक हो जाती है। निवेशकों को यह जानने का अधिकार है कि राजस्व का वास्तविक स्रोत क्या है, नकदी प्रवाह की स्थिति कैसी है, ग्राहकों और देनदारियों की वास्तविकता क्या है तथा विदेशी इकाइयों के खातों का स्वतंत्र सत्यापन किस स्तर तक हुआ है।

संस्थागत निवेशकों की भूमिका

यह मामला संस्थागत निवेशकों की जिम्मेदारी पर भी ख्यान आकर्षित करता है। यदि किसी कंपनी में म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों, बैंकों अथवा अन्य सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं की हिस्सेदारी है, तो यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि उन्होंने निवेश से पहले पर्याप्त जांच-पड़ताल की होगी। लेकिन अनुभव बताता है कि संस्थागत निवेश अपने आप में सुशासन की गारंटी नहीं होता। छोटे निवेशक अक्सर बड़े निवेशकों की मौजूदगी को सुरक्षा का संकेत मान लेते हैं, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

पुराने सबक, नई चुनौतियां

भारतीय वित्तीय इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं जिनहोंने निवेशकों के भरोसे को झटका दिया है। सत्यम घोटाले ने दिखाया कि नकदी और बैंक बैलेंस जैसे बुनियादी आंकड़े भी गलत साबित हो सकते हैं। आईएलएंडएफएस संकट ने अत्यधिक कर्ज और जटिल कॉर्पोरेट संरचनाओं के जोखिम को उजागर किया। यस बैंक प्रकरण ने बैंकिंग गवर्नेंस की कमजोरियों को सामने रखा, जबकि पीएनबी-निरव मोदी मामले ने बैंकिंग निगरानी तंत्र की कमियों की ओर ध्यान खींचा। इन घटनाओं से सबक लेकर व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाया जाना चाहिए था।

ऑडिट व्यवस्था पर प्रश्न

राजेश एक्सपोर्ट्स प्रकरण ने ऑडिट प्रणाली की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े किए हैं। यदि किसी कंपनी के खातों में कई वर्षों तक असामान्य वित्तीय आंकड़े दर्ज होते रहे, तो यह जानना जरूरी है कि ऑडिटर ने ग्राहक पुष्टि, बैंक ट्रेल, स्टॉक रिकॉर्ड, देय राशियों और समूह कंपनियों के लेनदेन की जांच कितनी गहराई से की। स्वतंत्र और निष्पक्ष ऑडिट किसी भी पूंजी बाजार की आधारशिला होता है। यदि इस स्तर पर कमजोरी रह जाए, तो निवेशकों का विश्वास डामगा सकता है।

बोर्ड की जवाबदेही भी अहम

किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक मंडल केवल औपचारिक संस्था नहीं होता। उसका दायित्व निवेशकों के हितों की रक्षा करना और प्रबंधन की गतिविधियों पर निगरानी रखना होता है। यदि वित्तीय रिपोर्टिंग में गंभीर विसंगतियां सामने आती हैं, तो बोर्ड की भूमिका और उसकी निगरानी क्षमता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। मजबूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जवाबदेही की संस्कृति विकसित करने का माध्यम है।

नियामकीय सतर्कता की जरूरत

सेबी की कार्रवाई निश्चित रूप से स्वागत योग्य है, लेकिन यह भी विचारणीय है कि यदि कथित अनियमितताएं कई वर्षों से जारी थीं, तो शुरूआती संकेत पहले क्यों नहीं पकड़े गए। स्टॉक एक्सचेंज, रेटिंग एजेंसियां, विधेयक, ऋणदाता और संस्थागत निवेशक आखिर क्या देख रहे थे? आधुनिक तकनीक और डेटा विश्लेषण के दौर में असामान्य वित्तीय अनुरूपता, नकदी प्रवाह और राजस्व के बीच असंतुलन जैसे संकेतों की पहचान पहले ही की जा सकती है।

भरोसा ही सबसे बड़ी पूंजी

भारत को अब एक ऐसे ऐसीकृत कॉर्पोरेट जोखिम निगरानी तंत्र की आवश्यकता है, जिसमें सेबी, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, रिजर्व बैंक, जीएसटी नेटवर्क, सीमा शुल्क विभाग, स्टॉक एक्सचेंज और रेटिंग एजेंसियों के आंकड़ों का समन्वित उपयोग किया जाए। इससे संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान संभव हो सकेगी।

निवेशकों के लिए सीख

यह घटना छोटे निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण सबक है। निवेश केवल आकर्षक शेयर मूल्य या बड़े कारोबार को देखकर नहीं करना चाहिए। कई बार ऊंचा टर्नओवर भी वास्तविक मजबूती का संकेत नहीं होता। यदि किसी कंपनी का राजस्व तेजी से बढ़ रहा हो, लेकिन लाभ, नकदी प्रवाह और वित्तीय गुणवत्ता कमजोर हो, तो निवेशकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। निवेश निर्णय हमेशा कंपनी की गवर्नेंस गुणवत्ता और वित्तीय पारदर्शिता को ध्यान में रखकर ही लेना चाहिए।

भरोसा ही सबसे बड़ी पूंजी

आखिरकार, पूंजी बाजार की सबसे बड़ी ताकत धन नहीं, बल्कि भरोसा है। बैलेंस शीट में संपत्तियां दिखाई जा सकती हैं, राजस्व बढ़ाया जा सकता है और मूल्यांकन तैयार किया जा सकता है, लेकिन यदि निवेशकों का विश्वास टूट जाए तो उसकी भरपाई आसान नहीं होती। मजबूत ऑडिट व्यवस्था, पारदर्शी प्रकटीकरण, जवाबदेह बोर्ड, तकनीक आधारित निगरानी और जागरूक निवेशक ही भारतीय पूंजी बाजार को सुरक्षित और विश्वसनीय भविष्य प्रदान कर सकते हैं।

आंखनदेखी



नालासोपारा पूर्व के अचोले रोड स्थित चंदन नाका क्षेत्र में सड़क पर पड़े बड़े-बड़े गाड़ों से दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। लोगों ने गड्ढों में टहनियां लगाकर राहगीरों को सावधान करने का प्रयास किया है। दस दिनों से समस्या बरकरार रहने के बावजूद मनुष्य द्वारा मरम्मत नहीं किए जाने पर नागरिकों में नाराजगी है। (फोटो- सचिन हलदे)

प्रेम प्रसंग का खूनी अंत

● शादी के दबाव में रची गई साजिश, महिला की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ झारखंड

झारखंड के चतरा जिले में पुलिस ने नदी की रेत के नीचे दफन मिली एक अज्ञात महिला की लाश के मामले का खुलासा कर दिया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में प्रेम संबंध, शादी का दबाव, कथित सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की कहानी सामने आई है। पुलिस ने जांच के बाद चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किए गया सामान भी बरामद कर लिया गया है।



रेत में मिला शव

यह मामला 6 जून को उस वक्त सामने आया था, जब पिपरवार इलाके में बहने वाली सफी नदी के किनारे रेत के नीचे एक महिला का शव मिला था। शव को रेत से ढंककर छिपाने की कोशिश की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चतरा के एसपी अनीमेष नथानी के निदेश पर एक विशेष जांच टीम गठित की गई। पुलिस ने जांच में रांची स्थित फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की भी मदद ली।

पहचान तक पहुंची जांच

सिमरिया के एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने बताया कि एफएसएल टीम से मिले महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। कई तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने मृतका की पहचान की। जांच में पता चला कि महिला रांची जिले के रातू थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। इसके बाद पुलिस ने उसके परिवार और संपर्कों की पड़ताल शुरू की।

प्रेम संबंध का खुलासा

पुलिस जांच में सामने आया कि महिला 1 जून को घर से यह कहकर निकली थी कि वह मांझा मेले में जा रही है। इसी दौरान उसकी गतिविधियों और मोबाइल संपर्कों की जांच की गई। जांच में पता चला कि उसका खलारी थाना क्षेत्र के मनातू गांव निवासी सूरज कुमार से प्रेम संबंध था। महिला सूरज पर शादी करने का दबाव बना रही थी और कथित तौर पर शादी से इनकार करने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी भी देती थी।

हत्या की साजिश

पुलिस के मुताबिक, इसी दबाव से परेशान होकर सूरज कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर महिला की हत्या की साजिश रची। योजना के तहत 1 और 2 जून की रात महिला को मांझा मेला घुमाने और शादी को लेकर बातचीत करने का झांसा देकर पंडरिया जंगल बुलाया गया। वहां पहले से मौजूद आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रखी थी।

दुष्कर्म और हत्या का आरोप

आरोप है कि जंगल में सूरज कुमार के सहयोगी राहुल भुइया और रोहित कुमार महतो ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद महिला की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार हत्या के लिए चाकू और ईंट का इस्तेमाल किया गया। हत्या के बाद शव को सफी नदी के किनारे ले जाकर रेत में दफना दिया गया, ताकि किसी को घटना की भनक न लग सके।

साक्ष्य बरामद

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर मृतका की चप्पल, हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू, ईंट और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है। बरामद साक्ष्यों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि वैज्ञानिक साक्ष्यों और आरोपियों के बयानों के आधार पर इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली गई है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

प्रेरक प्रसंग

राजा के सच्चे साथी

बहुत समय पहले आनंदगढ़ नामक राज्य में महाराज विक्रमसिंह राज करते थे। उनके दो सबसे भरोसेमंद साथी थे- उनके अपने हाथ। दाएं हाथ का नाम था वीर और बाएं हाथ का नाम धीर। दोनों हमेशा राजा के साथ रहते और उनकी हर जरूरत का ध्यान रखते थे। जब राजा दरबार में बैठते, तो वीर और धीर बड़े सतर्क रहते। राजा कोई आदेश लिखवाना चाहते तो धीर तुरंत कागज सामने कर देता और वीर कलम पकड़कर लिखना शुरू कर देता। भोजन के समय वीर निवाले बनाकर राजा के मुंह तक पहुंचाता, जबकि धीर थाली को संभालता। दोनों में खूब मित्रता थी, लेकिन कभी-कभी हल्की नोकझोंक भी हो जाती। यदि राजा की मूंछों को संवारने का काम आता, तो दोनों पहले करने की हड़ल लगा देते। नहाने के समय भी साबुन कौन लगाएगा, इसे लेकर बहस कर बैठते। उनकी इन हरकतों पर राजा मुस्करा देते। एक दिन राजमहल में बड़ी मुसीबत आ गई। राजा का सेनापति, जिसका नाम भानुदेव था, सत्ता के लालच में आ गया। उसने सैनिकों की मदद से विद्रोह कर दिया और महाराज को बंदी बना लिया। राजा को किले की सबसे ऊंची मीनार में कैद कर दिया गया। उनके पैरों में भारी जंजीरें डाल दी गईं और चारों ओर पहरा बिठा दिया गया। राजा दुखी थे, लेकिन वीर और धीर हार मानने वाले नहीं थे। रात के समय उन्होंने एक कोठरी की एक लोहे की सलाख थोड़ी कमजोर है। दोनों ने पूरी ताकत लगाकर उसे हिलाना शुरू किया। कई दिनों की मेहनत के बाद सलाख ढीली हो गई। एक रात जब पहरेदार खाना लेकर आया, तब वीर और धीर ने अवसर का लाभ उठाया। उन्होंने पहरेदार को असंतुलित कर दिया और उसकी चाबियां हासिल कर लीं। फिर बड़ी सावधानी से राजा की बेड़ियां खोल दीं।

■ राजा तुरंत मीनार से बाहर निकले और पीछे बहती नदी की ओर दौड़े। वीर और धीर ने तेरने में उनकी मदद की और वे सुरक्षित दूसरे किनारे पहुंच गए। वहां उन्हें एक घोड़ा मिला, जिस पर सवार होकर वे पड़ोसी राज्य पहुंचे। पड़ोसी राजा ने उनकी सहायता की। कुछ ही दिनों में सेना तैयार हुई और आनंदगढ़ पर चढ़ाई कर दी गई। भानुदेव को पराजित कर दिया गया और महाराज विक्रमसिंह फिर से सिंहासन पर बैठ गए।

■ विजय के उत्सव में जब महाराज रथ पर नगर भ्रमण कर रहे थे, तब वीर और धीर विजय ध्वज लहरा रहे थे। लोगों की जय-जयकार सुनकर राजा गर्व से मुस्करा रहे थे। उन्हें पता था कि सच्ची निष्ठा और साहस ही हर कठिनाई पर विजय खिलाते हैं। शिक्षा: सच्चे साथी संकट के समय कभी साथ नहीं छोड़ते और बुद्धिमानी व साहस से बड़ी मुश्किल को भी हराया जा सकता है।

राशिफल

मेघ- परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। अहंकार के भाव मन में न आने दें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति संतोषप्रद रहेगी।

वृषभ-धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। रविवार में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं। स्वास्थ्य के महत्व को समझें। संतान को अपने कार्यों में सफलता मिल सकेगी।

मिथुन- व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विवाही वर्ग सफलता हासिल करेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। स्वार्थ एवं भोग की प्रवृति से दूर रहें। कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर पायेंगे।

कर्क- आज धनलाभ के अवसर हाथ से निकलेगे। बाहरी शत्रु से सतर्क रहें। नौकरपेशा कार्यस्थल पर काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है। स्वयं तथा माता को शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें।

सिंह- सुख के सन्धान जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। पड़ोसियों से किसी बात पर मतभेद की संभावना है।

कन्या- मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करें। समय का सदुपयोग होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

तुला- व्यापार में मनोमुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में सफलता की संभावना है।

वृश्चिक- अनसोचे कार्य होंगे। दायित्व जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएं सुझबुझ से निपटाएं। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु- प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा। व्यापार की चिंता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। बेवैनी रहेगी। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा।

मकर- मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नए अनुभव हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में कमी आ सकती है। उचित मार्गदर्शन लेना जरूरी होगा। प्रमाद न करें।

कुंभ- धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे। अनसोचे कार्यों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी।

मीन- व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य करें।

सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा-आरएसएस का मुकाबला कर सकती है: राहुल गांधी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि देश में सिर्फ कांग्रेस एकमात्र विपक्षी पार्टी है जो टूट नहीं रही है और वही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुकाबला कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने कांग्रेस महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।



भाजपा का डटकर मुकाबला करेगी कांग्रेस

उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद से तुणमूल कांग्रेस से कई सांसद और नेता अलग हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने तुणमूल कांग्रेस या किसी दूसरे विपक्षी दल का नाम नहीं लिया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा एवं आरएसएस को चुनौती दे सकती है। उनका यह भी कहना था कि अगले एक-दो साल में कांग्रेस और मजबूत होगी तथा भाजपा एवं आरएसएस का डटकर मुकाबला करेगी।

देश की आर्थिक स्थिति नाजुक

सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने देश की 'नाजुक' आर्थिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की हालत की खराब कर दी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था कि देश के सामने जो आर्थिक चुनौती खड़ी हुई है उसका एकमात्र कारण अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां नहीं हैं, बल्कि मोदी सरकार की आर्थिक नीति और विदेश नीति है।

कुछ चुनिंदा उद्योपतियों को फायदा

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने यह दावा भी किया कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और अंबमान-निकोबार में आदिवासियों से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों को कमजोर किया जा रहा है ताकि कुछ चुनिंदा उद्योपतियों को फायदा पहुंचाया जा सके।

नीट पेपर लीक पर मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र पर साधा निशाना

लाखों युवाओं का भरोसा डगमगाया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को नेशनल एलिजबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट और कई भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने लाखों युवाओं और उनके परिवारों का भरोसा डगमगा दिया है। AICC की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पर जानकारी साझा करते हुए खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी सिर्फ राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा करना भी है।

■ टयण्डूक में कथित पेपर लीक को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए खड़गे ने कहा कि शिक्षण संस्थानों और प्रणालियों को 'जानबूझकर कमजोर किया जा रहा' है। खड़गे ने लिखा कि आज दुर्भाग्य से हम देख रहे हैं कि जिन संस्थानों और प्रणालियों को बनाने में दशकों लगे, उन्हें जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। इसलिए, हमारी जिम्मेदारी सिर्फ राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा करना भी है।

■ उन्होंने कहा कि देश महागाई, बेरोजगारी, परीक्षा घोटालों और सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। पोस्ट में लिखा गया कि आज देश महागाई, बेरोजगारी, परीक्षा घोटालों और सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। NEET और विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने लाखों युवाओं और उनके परिवारों का भरोसा डगमगा दिया है। राहुल गांधी ने व्यक्तिगत रूप से प्रभावित छात्रों और युवाओं से मुलाकात की है और देश के सामने उनकी आवाज मजबूती से रखी है।

■ बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल शामिल हुए। बैठक में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई, मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी इरीश चौधरी, तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बोम्मा महेशकुमार गोड, गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश वोडकर और पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग भी शामिल हुए। बुधवार को केसी वेणुगोपाल ने पर बैठक की घोषणा करते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा के लिए कल, 11 जून 2026 को नई दिल्ली के इंदिरा भवन में AICC महासचिवों, प्रभारियों और PCC अध्यक्षों की एक जरूरी बैठक होगी। यह बैठक सोमवार को मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई INDIA ब्लॉक की बैठक के बाद हो रही है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि INDIA ब्लॉक की पार्टियां राष्ट्रीय मुद्दों पर तालमेल बेहतर करने और BJP के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने के लिए विश्वी गठबंधन के सहयोगियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए हर दो महीने में बैठक करेगी। खड़गे ने बताया कि बैठक में 25 पार्टियां शामिल हुईं।

■ कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि इस बात पर सहमति बनी कि INDIA गठबंधन की सभी पार्टियां हर दो महीने में बैठक करेंगी। अनाली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी। खड़गे ने कहा कि INDIA ब्लॉक की पार्टियों ने स्पेशल इंटीसिव रिविजन (SIR), 'वोट की लूट और चुनावी गड़बड़ियों' को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला किया है। SIR, वोट की लूट और चुनाव में धांधली के मुद्दे पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंपा जाएगा।

असम के डिगबई में लोक निर्माण में करोड़ों की कथित हेराफेरी

विशेष आयुक्त विभूति सैकिया के अधीन कार्यों पर सवाल

पंकज नाथ @ असम

असम के डिगबई पेंगेरी बरडुमसा मार्ग के निर्माण को लेकर असम माला योजना के तहत भारी अनियमितताओं का गंभीर आरोप उठाया गया है। स्थानीय लोग और कुछ सामाजिक संगठन दावा कर रहे हैं कि इस मार्ग के काम में लागत बढ़ाकर, घटिया सामग्री प्रयोग कर और अनुचित सब-कॉन्ट्रैक्ट दे कर करोड़ों रुपए की लूट मची है। आरोपों में यह भी कहा जा रहा है कि ठेकेदारों और अभियंताओं को संरक्षण लोक निर्माण विभाग के विशेष आयुक्त, विभूति सैकिया के नाम के संपर्कों के माध्यम से मिलता है। आरोपियों में कॉन्स्ट्रक्टर मतलेबुद्दिन अहमद और भास्कर गोस्वामी का नाम सामने आया है। स्थानीयों का आरोप है कि इन ठेकेदारों को बार-बार अवमूल्यित फालतू (रवाबी/अल्प-गुणवत्ता) सामग्री अपनाकर काम पूरा करने की अनुमति दी गई, जिससे सड़क की गुणवत्ता और सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में है। शिकायतों में यह भी कहा गया है कि काम समयसीमा के बाद भी पूरा नहीं हुआ है, पर फिर भी भुगतान जारी रखा गया। स्थानीय संगठनों ने आरोप लगाया है कि सचिवालय के वतानुकूलित कक्षों में बैठे लोक निर्माण विभाग के कुछ भर्ती अधिकारी और कमिशन-माफिया योजना की निगरानी कर रहे हैं, और किसी भी शिकायत पर विभागीय कार्रवाई नहीं की जा रही। कई संगठनों ने विभूति सैकिया से जवाब मांगने के साथ अधिकारियों के चुप रहने पर तंज भी कसा है। कुछ लोग यह भी सवाल उठाते हैं कि



सेवानिवृत्त होने के बावजूद विभूति सैकिया को विशेष आयुक्त पद से जुड़ा प्रभाव क्यों बरकरार है और क्या इससे भ्रष्टाचार की घटना को बढ़ावा मिला। स्थानीयों ने दोषी ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही और मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है। वे चाहते हैं कि असम माला योजना के तहत खर्च और ठेका प्रक्रियाओं की पूरी ऑडिट की जाए, अर्ध-निर्मित और घटिया सामग्री का परीक्षण कराया जाए, और यदि ऐन-अनुपालन पाया जाता है तो संबंधित अफसरों व ठेकेदारों पर कानूनी कार्रवाई की जाए। डिगबई के प्रशासनिक अधिकारियों और लोक निर्माण विभाग से संपर्क करने की कोशिश की गई, पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। मामले की गंभीरता देखते हुए नागरिक संगठनों ने उच्चस्तरीय जांच और पारदर्शिता की मांग के साथ आगे भी आवाज उठाने का एलान किया है।

■ दिनेश राय डांगी देसुरी से तीन बार विधायक रहे और दूसरा चुनाव सन 1972 में निर्विरोध जीतकर विधानसभा में पहुंचे थे। नीरज डांगी का भी दूसरा राज्यसभा चुनाव निर्विरोध होने जा रहा है। पिता दिनेश राय डांगी कांग्रेस में गांधी परिवार के विश्वसनीय नेताओं में गिने जाते थे, और यही विश्वास की परंपरा नीरज डांगी तक पहुंची है। राज्यसभा सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक सक्रियता और विषयों की समझ उन्हें सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के करीब ले गई और गांधी परिवार के साथ उनके अच्छे संबंध विकसित हुए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का उन पर विशेष भरोसा बढ़ा और दिग्गज नेता अशोक गहलोत के साथ उनकी दशकों की निकटता भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। कांग्रेस नेतृत्व में नीरज की स्वीकार्यता का दायार लगातार बढ़ा है।



निपाह वायरस की दस्तक से केरल में अलर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केरल के कोझिकोड में फारूक के रहने वाले एक 43 वर्षीय व्यक्ति में निपाह वायरस की पुष्टि हुई है। इससे नई चिंताएं पैदा हो गई हैं और स्वास्थ्य अधिकारियों ने आपातकालीन रोकथाम के उपाय शुरू कर दिए हैं। निपाह जैसे लक्षण दिखने के बाद इलाज करा रहे मरीज को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। मेडिकल कॉलेज की प्रयोगशाला में हुई जांच में संक्रमण का पता चला, जिसके बाद मरीज को आधी रात के आसपास विशेष आइसोलेशन सुविधा में ले जाया गया। अंतिम पुष्टि के लिए उनके नमूने पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (NIV) भी भेजे गए हैं। पुरानी इमारतों की सफाई का काम करने वाले इस मरीज को फारूक में एक ऐसी इमारत में सफाई का काम करते समय वायरस के संपर्क में आने का संदेह है, जहां चमगादड़ों की भारी मौजूदगी थी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना ​​है कि चमगादड़ की बोट या दूधित सामग्री के संपर्क में आने से संक्रमण हो सकता है।

पंजाब में बीजेपी और अकाली दल मिलकर लड़ेंगे 2027 का चुनाव?

गठबंधन को लेकर हलचल हुई तेज

हिंदमाता नेटवर्क @ चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव

2027 से पहले भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) और

शिरोमणि अकाली दल

(शिअद) के बीच संभावित

गठबंधन को लेकर राजनीतिक

हलचल एक बार फिर तेज हो

गई है। खड्डू साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह से जुड़ी पार्टी के साथ किसी भी तरह के

समझौते से भाजपा के इनकार के बाद बीते दिनों पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

के हालिया बयान को अकाली दल के साथ रिश्तों की नई संभावनाओं के तौर पर देखा

जा रहा है। भाजपा के प्रदेश महासचिव और पूर्व आईएसएस अधिकारी जगमोहन राजू ने

दावा किया है कि अमृतपाल सिंह की पार्टी के कुछ नेताओं ने भाजपा के साथ गठबंधन

का प्रस्ताव रखा था।



■ हालांकि, उन्होंने कहा कि भाजपा ने साफ कर दिया है कि वह पंजाब में 2027 का चुनाव सभी 117 सीटों पर अपने दम पर लड़ेगी। राजू के इस बयान ने पंजाब की सियासत में नई बहस छेड़ दी है कि भाजपा किन राजनीतिक विकल्पों पर विचार कर रही है। इसी बीच, दिल्ली में एक समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य पंजाब में संगठन को मजबूत करना है और वह सभी राजनीतिक परिस्थितियों का आकलन कर रही है। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि भविष्य की रणनीति को लेकर पार्टी सभी विकल्पों पर नजर रखे हुए है। राजनीतिक हलकों में उनके इस बयान को शिरोमणि अकाली दल के साथ संभावित संवाद के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा और अकाली दल के रिश्तों का लंबा राजनीतिक इतिहास रहा है।

■ तीन दशक से अधिक समय तक दोनों दल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी रहे, लेकिन वर्ष 2020 में केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध के बाद शिरोमणि अकाली दल ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था। इसके बाद 2022 और 2024 के चुनाव दोनों दलों ने अलग-अलग लड़े। हालांकि, लोकसभा चुनाव के बाद से समय-समय पर दोनों दलों के बीच संभावित सुलह की चर्चाएं उठती रही हैं। उधर शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी कहा था कि फिलहाल उनकी पार्टी का पूरा ध्यान पंजाब में संगठन को मजबूत करने पर है। हालांकि, उन्होंने भाजपा के साथ भविष्य में गठबंधन की संभावना से साफ इनकार भी नहीं किया।

ममता और टीएमसी के साथ खड़ा रहना मेरा फर्ज: शत्रुघ्न सिन्हा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

टीएमसी में फूट की चर्चाओं के

बीच पार्टी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा

ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने

साफ कहा कि वह ममता बनर्जी

और टीएमसी के साथ मजबूती

से खड़े रहेंगे। बात करते हुए

सिन्हा ने कहा कि ममता बनर्जी

और पार्टी का साथ देना उनका

कर्तव्य है।



शत्रुघ्न सिन्हा ने क्या कहा?

शत्रुघ्न सिन्हा ने सबसे पहले आसनसोल और पश्चिम बंगाल की जनता का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि वहां के लोगों ने उन्हें बहुत प्यार और समर्थन दिया है। उन्होंने बताया कि वह ममता बनर्जी के बुलबुले और उनके निदेश पर ही आसनसोल आए थे। उन्होंने वहां पहली बार उपन्यास में रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की थी। इसके बाद दूसरी बार भी वह बड़े अंतर से चुनाव जीते। सिन्हा ने कहा कि वह बंगाल के सभी लोगों के लिए काम करते हैं,

चाहे वे किसी भी पार्टी के हों। अपने पुराने दिनों की याद करते हुए सिन्हा ने कहा कि 2019 में पटना से चुनाव हारने के बाद वह कठिन समय से गुजर रहे थे। उस वक्त बहुत कम लोग उनके साथ खड़े थे। ममता बनर्जी उन गिने-चुने लोगों में से थीं जिन्होंने उन्हें सहाया दिया। ममता बनर्जी चाहती थीं कि वह बिना किसी ब्रेक के संसद में बने रहें। उन्हीं के कहने पर उन्होंने आसनसोल से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।

पीएम मोदी की तारीफ में क्या बोले बिहारी बाबू?

बयान के इस घटनाक्रम से कुछ ही समय पहले ही बिहारी बाबू उपनाम से मशहूर रहे सिन्हा ने एक्स हैंडल पर एक दिलचस्प सोशल मीडिया पोस्ट भी किया। उन्होंने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी के साथ तस्वीरें साझा कीं। सिन्हा ने पीएम मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने की बधाई देते हुए लिखा कि सच्ची खेल भावना के साथ, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन कर रहे हमारे मित्र और माननीय प्रधानमंत्री को 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर हार्दिक शुभकामनाएं। यह संभवतः अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल है। आपके उज्ज्वल, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करता हूं। जय हिंद!

अफवाहों पर क्या बोले शत्रुघ्न सिन्हा?

पिछले कुछ दिनों से सिन्हा को लेकर कई तरह की

अफवाहें उड़ रही हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि वह

बागी गुट में शामिल हो गए हैं। इस पर सिन्हा ने कहा

कि वह स्वभाव से बेबाक हैं और हमेशा सब बोलते

हैं। उन्होंने कहा कि अगर सब बोलना बगावत है, तो

मेें बागी हूं। लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वह ममता

बनर्जी को इस मुश्किल घड़ी में नहीं छोड़ सकते।

सिन्हा ने कहा कि वह दो बार टीएमसी के चुनाव

चिन्ह छोड़ा फूल पर जीतकर आए हैं। इसलिए ममता

जी और पार्टी के साथ खड़ा होना उनकी जिम्मेदारी

है। उनका सिद्धांत बहुत साफ है कि जब ममता जी ने

इसके बुरे वक्त में साथ दिया, तो अब उनका फर्ज है

कि वह इस समय उनके साथ खड़े रहें। वह अपनी

जिम्मेदारियों को समझते हैं और उन्हें निभाते रहेंगे।

तुणमूल में खटपट के बीच सिन्हा के बयान का अर्थ क्या?

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के

नतीजों की घोषणा के बाद से ही तुणमूल

कांग्रेस की अंतर्कलह लगातार चर्चा में है।

टीएमसी के तीन राज्यसभा सांसद इसीफा

दे चुके हैं। बंगाल में चुने गये विधायकों में 58

ऋब्रात बनर्जी को कथित तौर पर अपना नेता

मान चुके हैं। ऐसे में ममता बनर्जी का दल

दो फांड होने की आशंका से जुड़ा रहा है।

कई सांसद मुखर होकर बागी तेवर अपना

चुके हैं। ऐसे में शत्रुघ्न सिन्हा का बयान बेहद

रोचक है और सबसे बड़ा सवाल यह है कि

क्या वे पाला बदलने वाले हैं? फिलहाल,

इसका जवाब भविष्य के गर्भ में छिपा है।

रेलवे में सफर करने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों

को लेकर बड़ी खबर सामने

आ रही है। रेल मंत्री अश्विनी

वैष्णव ने एक बड़ा ऐलान किया

है, जिससे यात्रियों को रेलवे

बुकिंग करने में किसी भी दिक्कत

का सामना नहीं करना पड़ेगा।

दरअसल रेलवे में सफर करने

वाले छात्र ने अश्विनी वैष्णव

से कहा कि वह IRCTC की

वेबसाइट पर केप्चा से परेशान है,

जिससे उन्हें कई तरह की दिक्कतों

का सामना करना पड़ता है। इसके

बाद रेल मंत्री ने छात्रों को विश्वास

दिलाया कि 15 जुलाई तक केप्चा

को हटाकर वेबसाइट को अपडेट

कर दिया जाएगा।

रेल मंत्री ने लिया बड़ा फैसला

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि

15 जुलाई 2026 तक वेबसाइट से केप्चा हटाकर

वेबसाइट को अपडेट कर दिया जाएगा। बता दें कि रेल

मंत्री पहूंचे एक कार्यक्रम में गए थे, जहां एक छात्रा ने

उन्हें वेबसाइट में आने वाली दिक्कतों के बारे में बताया

कि साइट पर केप्चा भरने में परेशानी होती है। स्टूडेंट्स

की बात को सुनने के बाद रेल मंत्री ने बिना समय गंवाए

तुरंत ही एक आधिकारी को फोन लगाया, उन्होंने कहा

कि स्टूडेंट्स की मांग है आईआरसीटीसी की नई

वेबसाइट बननी चाहिए। इसके बाद उन्होंने अधिकारी

से फोन पर पूछा कि क्या हम 30 दिनों में वेबसाइट को

बना पाएंगे? अधिकारी से जवाब मिलने के बाद रेल

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्टूडेंट्स को आश्वासन दिया

है कि अगले महीने की 15 तारीख यानी 15 जुलाई

को नई वेबसाइट लॉन्च की जाएगी। आईआरसीटीसी

की ये नई वेबसाइट ज्यादा यूजर फ्रेंडली होगी, पुरानी

साइट की तुलना ज्यादा तेज होगी और नई साइट के

जरिए बुकिंग प्रोसेस ज्यादा स्मूद होगा।

शॉर्ट स्टोरी

A photograph showing three young men walking across a traditional bamboo bridge over a river. The man in the foreground is wearing a green t-shirt and shorts, carrying a long wooden pole. The other two men are wearing red and pink shirts. The bridge is made of bamboo poles and is surrounded by lush greenery and trees.

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

वर्षों से बिहार की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक पलायन रहा है। रोजगार की तलाश में हर दिन बड़ी संख्या में लोग पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य राज्यों की ओर रुख करते हैं। हालांकि, अब पटना से एक ऐसी सकारात्मक कहानी सामने आई है, जो रिवर्स माइग्रेशन यानी प्रवासी मजदूरों की घर वापसी और स्थानीय रोजगार की नई मिसाल बन रही है। पटना के बैरिया क्षेत्र में करीब पांच वर्ष पहले उड़मिनी निशांत रंजन ने स्पोर्ट्स सामान निर्माण से जुड़ा स्टार्टअप 'जावा स्पोर्ट्स' शुरू किया। यह बिहार की शुरुआती फैक्ट्रियों में शामिल है, जहां क्रिकेट डै, गेट, हेल्मेट, ग्लस और स्पोर्ट्स शूज जैसे खेल उपकरणों का निर्माण किया जाता है। इस स्टार्टअप की फैक्ट्रियों में शामिल यह है कि यहां काम करने वाले अधिकांश कर्मचारी पहले पंजाब और अन्य राज्यों की खोज सामग्री निर्माण इकाइयों में काम करते थे। कोलकाता महामारी के दौरान लॉकडाउन में बिहार लौटे इन श्रमिकों को जावा स्पोर्ट्स में रोजगार मिला और उन्हें दोबारा पलायन नहीं करना पड़ा। मुजफ्फरपुर निवासी अजीत कुमार इसका प्रमुख उदाहरण हैं। वह पंजाब की एक स्पोर्ट्स कंपनी में 22 वर्षों तक काम कर चुके हैं। लॉकडाउन के दौरान बिहार लौटने के बाद उन्हें पटना स्थित इस फैक्ट्री में नौकरी मिली। अजीत कुमार का कहना है कि परिवार के साथ रहकर काम करने की सुखी खबरें बड़ी हैं। उनके अनुभार, लोग मजबूरी में पलायन करते हैं और उन्हें सौभाग्य मिला कि अपने राज्य में ही रोजगार मिल गया। इसी तरह जब बिहार लगभग 10 वर्षों तक जालंधर में काम करने के बाद बिहार लौटे। उन्हें भी इसी फैक्ट्री में रोजगार मिला। उनका मानना ​​है कि यदि बिहार में ऐसे और उद्योग स्थापित हों तो बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक वापस लौट सकेंगे हैं।



खरिफ के
खगड़िया जिले
में आज दिल
बंदहला देने वाली
घटना घटी है,
जहाँ आसमानी बिजली की वषेट में आने से
पिपा-पुत्र समेत 5 की मौत हो गई। वहीं 6 लोग
गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना पीरा सहायक
थाना के कन्हौली गांव और बलेंदौर थाना क्षेत्र
के इतमादी गांव की है। घटना के समय सभी
लोग खेत में काम कर रहे थे। अचानक
बलेंदौर और वज्जपात होने की वजह से लोग
सुसुखित स्थानों पर नहीं पहुंच सके। जानकारी
के अनुसार, बलतारा पंचायत के कन्हौली गांव में
घटने में भयंकर फसल की कटनी चल रही थी।
सुसुखित में करीब एक दर्जन लोग काम कर रहे थे,
जिनमें बलेंदौर थाना के भी शामिल थे। अचानक मौसम खराब हो गया और तेज
बलेंदौर के साथ जोर-जोर से बिजली कड़कने
लगी। काम कर रहे लोग जबतक सुसुखित स्थान
पर जा पाते भी आसमान से जोरदार वज्जपात
चल रहा था। जिसकी वषेट में आने से आशुगोष यादव
और उनका पुत्र और एक ग्रामीण बुरी तरह
झुलस गए। ग्रामीण जबतक वहां पहुंचे तब तक
घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं मौत
के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। इस
दुखद घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल
हैं, जिनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती
कराया गया है। बता दें कि जिले में आज सुबह
वहीं की झमाझम बारिश हो रही है। दूसरी घटना
बलेंदौर थाना क्षेत्र में घटी, जहां वज्जपात की वषेट
में आने से दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि
चार अन्य लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं, जिनमें
एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही
है। पहली घटना बलेंदौर थाना क्षेत्र के इतमादी
संस्थान के पास 17 नंबर 7 स्थित लंबखड़िया
गांव में हुई। यहां एक ही परिवार के पांच सदस्य
जब वज्जपात की वषेट में आ गए। इसमें 35 वर्षीय
जजहार शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं
चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

आपर वर्ण लुहारी के आपराधिक इतिहास पर नजर जाले तो उसका अपराध की दुनिया में प्रवेश करीब 16 साल पहलू हेरुआ था। शुरुआती दौर में गांव के ही एक व्यक्ति के साथ गली-गलीज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में उसके खिलाफ पहला मुकदमा दर्ज हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि उसका बाद वलएतबी का छत्र था। लेकिन इसके बाद उसका नाम लगातार आपराधिक मामलों में सामने आने लगा। धीरे-धीरे उसका रिकॉर्ड लंबा होता गया और उसके खिलाफ कुल 19 मुकदमों दर्ज हो गए। इन मामलों में हत्या, जानलेवा हमला, गैरपर एक्ट और अन्य गंभीर अपराध शामिल थे।

अद्वितीय यादव को लेकर सोशल मीडिया पर अभद्र व आपत्तजनक दिव्याणियों को लेकर सपा सांसद राजन राय ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि राजनीति का सबसे घटिया स्तर और मानविक शिक्षता की परकथाई है कि यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी के बारे में सोशल मीडिया पर भेद और गंदे पोस्ट किए जा रहे हैं और यूपी पुलिस अभी तक कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। ये सब शायद झूठपन है कि वह किसी बीबीसी नेता की बेटी नहीं है। शर्म का। बला दें कि लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी अद्वितीय यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई आपत्तजनक पोस्ट पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पोस्ट करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके सख्त कार्रवाई की मांग की। अंदर सपा नेताओं ने स्पष्ट किया है कि यदि तब समय सीमा के अंदर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी।

क्षेत्र में 58 बिजली के खंभे टूट गए। 55 जगहों पर बिजली के तार पर पेड़ की डाल गिर गई। इस कारण 100 से ज्यादा गांवों में 20 घंटे तक बिजली नहीं रही। बुधवार की दोपहर बिजलीकर्मियों ने फॉल्ट ठीक करके आधुनिकी बहाल किया। मैनगर में आठ स्थानों पर बिजली के खंभे टूटे और 20 स्थानों पर पेड़ की डाल टूटकर बिजली के तार पर गिर गए। इससे करीब 45 गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। करीती गांववासीयों में एचटी लाइन का तार टूट गया। एसडीओ प्रीतम चौरिया ने बताया बिजली कि सभी फीडरों पर काम चल रहा है। अमौड़ा फीडर के दो गांवों के छोड़कर सभी गांव में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। बरहद और मार्टीनगंज क्षेत्र में 50 बिजली के खंभे टूटकर गिर गए। 35 जगहों पर डाल गिरने से तार टूट गए। दोनों क्षेत्रों के 55 गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बेलवाना-थादो, बर्रा मार्टीनगंज फीडर पर सबसे ज्यादा ठीकसान हुआ है। एसडीओ अभिनव कुमार ने बताया कि जहां तार टूटे वहां फॉल्ट ठीक करने के बाद आपूर्ति बहाल कर दी गई है। जहां पोल टूटे हैं वहां दूसरी तरफ से लाइन चालू की गई है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक गहर हैं, जहां लगातार आबादी और वाहनों की संख्या बढ़ रही है। पर्याप्तता, फिल्म स्टिड और कई बड़ी परियोजनाओं को देखते हुए सड़क नेटवर्क को बेहतर करने की तैयारी की जा रही है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी मिलने से लोगों का सफर आसान होगा और जाम की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस पूरी योजना का उद्देश्य धार्मिक यूपी के बड़े शहरों को प्रदूषण मुक्त और बेहतर सड़क नेटवर्क देना है।

वेनेजुएला का तेल भारत को बेच यूएस कर रहा ख़ूब कमाई!

लेकिन कहां 'गायब' हो रहे अरबों डॉलर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

इस साल की शुरुआत में अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अगवा कर वहां के तेल निर्यात पर अपना कब्जा कर लिया था। वेनेजुएला के तेल निर्यात पर नियंत्रण स्थापित किए जाने के बाद पहले चार महीनों में करीब 10 करोड़ बैरल तेल बेचा जा चुका है। इसकी अनुमानित कीमत 8 अरब डॉलर है। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी की कमी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने कई बार दावा किया है कि यह व्यवस्था अमेरिका और वेनेजुएला दोनों के हित में है, लेकिन अब तक यह सार्वजनिक नहीं किया गया है कि उसने कितना तेल बेचा, उससे कितनी कमाई हुई और उस पैसे का इस्तेमाल कैसे किया गया। ब्लूमबर्ग के टैक-ट्रैकिंग डेटा और वेनेजुएला के कच्चे तेल पर मिलने वाली छूट के आधार पर अनुमान है कि अमेरिकी नियंत्रण वाले तेल निर्यात का मूल्य अप्रैल में 3.7 अरब डॉलर (करीब 11 लाख बैरल प्रतिदिन) तक पहुंच गया। जनवरी में यह लगभग 60 करोड़ डॉलर (करीब 3.8 लाख बैरल प्रतिदिन) था। 3 जनवरी के बाद वेनेजुएला के तेल के सबसे बड़े खरीदारों में अमेरिका (43%), भारत (26%) और स्पेन (8%) शामिल रहे।



तेल बिक्री से मिले पैसे का क्या हुआ ?

अमेरिकी प्रशासन ने कांग्रेस को कुछ सीमित जानकारी दी है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने जनवरी में बताया था कि 30 करोड़ डॉलर करार में बनाए गए एक शॉर्ट-टर्म अकाउंट के जरिए वेनेजुएला को भेजे गए, जबकि 20 करोड़ डॉलर करार भी उसी अकाउंट में थे। बाद में ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि पूरे 50 करोड़ डॉलर वेनेजुएला को ट्रांसफर कर दिए गए हैं और आगे से अमेरिकी ट्रेजरी अकाउंट्स का इस्तेमाल होगा।

आईएमएफ के 5 अरब डॉलर पर भी नजर

रिपोर्ट के अनुसार, डेलसी रोड्रिगेज की एक बड़ी मांग अब भी अधूरी है। वे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में वेनेजुएला के लगभग 5 अरब डॉलर के स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स तक पहुंच चाहती हैं, जो 2019 से रुके हुए हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि अमेरिका को इस राशि तक पहुंच को लोकतांत्रिक सुधारों से जोड़ना चाहिए।

2025 बना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे हिंसक साल, 35 देश युद्ध की आग में

अमेरिका-ईरान जंग पर अरबों खर्च

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दुनिया के लिए पिछला साल यानी 2025 सुख्खा के लिहाज से बेहद भयावह रहा है। एक ताजा अध्ययन के अनुसार, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 2025 अब तक का सबसे हिंसक साल साबित हुआ है। पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ओस्लो द्वारा जारी कार्लफ्लक्ट ट्रेड्स रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनिया भर में रिकॉर्ड 65 छोटें और बड़े युद्ध लड़े गए। यह शीत युद्ध की समाप्ति के बाद का तीसरा सबसे घातक साल रहा, जिसने वैश्विक शांति और स्थिरता को हिलाकर रख दिया है।

नागरिक ठिकानों पर हमले का खौफनाक मंजर

रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि 2025 में युद्ध से जुड़ी मौतों की संख्या लगभग 2.45 लाख तक पहुंच गई। इस भारी तबाही के पीछे मुख्य रूप से तीन बड़े संघर्ष रहे यूक्रेन में रूस का युद्ध, सुडान में जारी हिंसा और गाजा पर इजरायल का बमबारी अभियान। वित्त की बात यह है कि इस हिंसा में नागरिकों को सीधे तौर पर निशाना बनाया गया, जिससे लगभग 76,500 मासूमों की जान वली गई।



80 साल का टूटा रेकॉर्ड

अध्ययन में पाया गया है कि दो या दो से अधिक देशों के बीच होने वाले सीधे संघर्षों की संख्या ने पिछले 80 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साल 2024 के मुकाबले 2025 में ऐसे संघर्षों की संख्या दोगुनी हो गई। इनमें भारत-पाकिस्तान के बीच झड़पें, अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा विवाद, कंबोडिया-थाईलैंड संघर्ष और यूक्रेन-रूस जंग प्रमुख उदाहरण हैं। वर्तमान में दुनिया के करीब 35 देश किसी न किसी युद्ध में सीधे तौर पर शामिल हैं।

नई राफेल डील में मेक इन इंडिया का तड़का, फाइटर जेट से बढ़ेगी आईएफ की ताकत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

फ्रांस में साथ राफेल डील को लेकर फ्रेंच डिप्लोमेटिक सूत्रों के हवाले से बड़ी जानकारी सामने आई है। अब नई राफेल डील पुरानी राफेल डील से बेहतर होगी। राफेल फाइटर जेट्स में भारतीय हथियारों के शामिल करने को लेकर भी बात बनेगी। जहां तक भारत के सामने एफ-35 और एसयू-57 जैसे फाइटर जेट्स का भी प्रस्ताव है तो फ्रांसीसी टॉप लेवल डिप्लोमेटिक लेवल का कहना है कि इस मामले में हमारी तुलना किसी और से नहीं की जा सकती है। दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों फरवरी के

तीसरे सप्ताह में भारत दौरे पर रहेंगे। इससे पहले भारत के रक्षा मंत्रालय द्वारा भारतीय वायु सेना (आईएफएफ) के लिए

114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के 32 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। रक्षा खरीद बोर्ड ने पिछले महीने भारतीय वायु सेना के प्रस्ताव को प्रारंभिक मंजूरी दे दी थी।



ब्रिटेन के रक्षा मंत्री का इस्तीफा

बोले- सेना को पैसा नहीं दे रही सरकार

हिंदमाता नेटवर्क @ लंदन

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने गुरुवार को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस्तीफा देते हुए कहा कि बढ़ते खतरों के इस दौर में सरकार सेना पर पर्याप्त खर्च करने के लिए तैयार नहीं है। हीली ने प्रधानमंत्री किपर स्टार्मर से कहा कि सरकार का डिफेंस इन्वेस्टमेंट प्लान इस खतरनाक समय में देश की जरूरतों से बहुत कम है। रक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के बीच मतभेदों की खबरों के कारण योजना को जारी करने में पहले ही देरी हो रही थी। हीली ने अपने त्याग पत्र में लिखा कि, 'बढ़ते खतरों के इस दौर में देश की रक्षा के लिए जिन संसाधनों की आवश्यकता है, उन्हें जुटाने में आप असमर्थ रहे हैं' और वित्त मंत्रालय इसके लिए तैयार नहीं है।'

2024 से संभाल रहे थे पद



जॉन हीली जुलाई 2024 में लेबर पार्टी की सरकार बनने के बाद से ही ब्रिटेन के डिफेंस चीफ का पद संभाल रहे थे। उन्हें एक सक्षम और गंभीर मंत्री माना जाता है। उनका इस्तीफा सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। प्रधानमंत्री किपर स्टार्मर ने ब्रिटेन के रक्षा खर्च को 2027 तक ग्राँस डोमेस्टिक प्रोडक्ट का 2.5% और 2034 तक 3% करने का वादा किया है। हालांकि, सैन्य क्षेत्र के कई विशेषज्ञों और अधिकारियों का मानना ​​है कि यह रफतार बहुत धीमी है। यह इस्तीफा मुश्किलों से घिरे प्रधानमंत्री किपर स्टार्मर के लिए एक और बड़ा झटका है, जो पहले से ही अपनी ही लेबर पार्टी के सहयोगियों की तरफ से इस्तीफा देने के भारी दबाव का सामना कर रहे हैं।

हिंदमाता हंकर

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं दोनों देशों के सीमा प्रबंधन तंत्र के सामने व्यावहारिक चुनौतियों को उजागर करती हैं

'जीरो लाइन' पर फंसा बांग्लादेशी घुसपैठिया, न बीएसएफ आने दे रही, न बीजीबी लौटने

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

भारत और बांग्लादेश के बीच इंटरनेशनल बॉर्डर पर एक बार फिर तनाव की स्थिति बन गई है। यहां मेघालय के साउथ चेस्ट गारो हिल्स जिले में स्थित सीमा क्षेत्र में हालत बहुत संवेदनशील बन गए। असल में सीमा सुरक्षा बल द्वारा कथित तौर पर वापस भेजे गए एक व्यक्ति को बांग्लादेश की ओर से स्वीकार करने से इनकार कर दिया गया।

बीएसएफ ने शरूख को हिरासत में लिया

सूत्रों के मुताबिक, यह घटना महेंद्रगंज के निकट नंदिर वार सेक्टर में हुई। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति को बीएसएफ ने भारतीय सीमा में अवैध रूप से एंट्री करने के आरोप में हिरासत में लिया था। शुरुआती जांच में उस व्यक्ति के बांग्लादेशी नागरिक होने का संदेह जताया गया। जानकारी के अनुसार, हिरासत में लिए जाने के बाद बीएसएफ ने अपनी प्रोसेस के तहत उसे सीमा पार वापस भेजने की कार्रवाई की। हालांकि, आरोप है कि बॉर्डर गाई बांग्लादेश और सीमा पार रहने वाले लोकल लोगों ने उस व्यक्ति को बांग्लादेश में भी घुसने न दिया।



घटनाक्रम के बाद उस व्यक्ति की स्थिति को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। सीमा क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर घटना से जुड़े बताए जा रहे कई वीडियो भी सामने आए हैं। इन वीडियो में बॉर्डर एरिया में लोगों की गतिविधियां और तनावपूर्ण माहौल दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, इन वीडियो की प्रामाणिकता और उनसे जुड़े दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद सीमा के दोनों ओर लोगों की आवाजाही और सुरक्षा गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई। हालांकि अभी तक किसी प्रकार की हिंसक झड़प या बड़े टकराव की सूचना नहीं है।

बाड़ के पार वाले क्षेत्र में फंसा शरूख

बताया जा रहा है कि इसके बाद वह व्यक्ति सीमा पर लगी बाड़ के पार वाले क्षेत्र में फंस गया, जिससे दोनों देशों की सीमा पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। सूत्रों का कहना है कि संबंधित व्यक्ति ने पुष्टाछ के दौरान खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया था। इसके बावजूद बॉर्डर गाई बांग्लादेश ने उसे अपनी हिरासत में लेने से कथित तौर पर मना कर दिया गया। उस व्यक्ति को बाड़ के पार वाले क्षेत्र में फंसा हुआ है। सीमा क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर घटना से जुड़े बताए जा रहे कई वीडियो भी सामने आए हैं। इन वीडियो में बॉर्डर एरिया में लोगों की गतिविधियां और तनावपूर्ण माहौल दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, इन वीडियो की प्रामाणिकता और उनसे जुड़े दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद सीमा के दोनों ओर लोगों की आवाजाही और सुरक्षा गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई। हालांकि अभी तक किसी प्रकार की हिंसक झड़प या बड़े टकराव की सूचना नहीं है।

भारतीय आमों की एंट्री पर यू-टर्न, नेपाल बोला - कोई बैन नहीं

नियमों के तहत जारी है आयात

हिंदमाता नेटवर्क @ काठमांडू

नेपाल ने कुछ दिन पहले कहा था कि वो भारत से आम नहीं मंगाएगा, क्योंकि उनमें बहुत ज्यादा कीटनाशक मिले हैं। लेकिन अब नेपाल ने पूरी तरह पलटी मार ली है। नेपाल की सरकार ने अब साफ कह दिया कि भारतीय आमों पर कोई रोक नहीं है। कुछ दिन पहले नेपाल के अधिकारियों ने कहा था कि भारत से आने वाले आमों में बहुत ज्यादा कीटनाशक पाए गए हैं। साथ ही बॉर्डर के पास, खासकर मधेश प्रांत में, आमों की जांच करने की सुविधा भी नहीं थी। इस वजह से भारतीय आमों को रोक दिया गया था।



मधेश प्रांत में भित्तामोड़ नाम के एक चेकपोस्ट पर भारत से आम का एक बड़ा ट्रक रोक़ा गया था। शक था कि फलों में हानिकारक कीड़े हो सकते हैं। लेकिन जब भारत की तरफ से एक सर्टिफिकेट मिला जिसमें लिखा था कि पौधे स्वस्थ हैं, तो वो ट्रक छोड़ दिया गया।

नेपाल सरकार ने क्या कहा?

नेपाल के कृषि, वन और पर्यावरण मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी किया। इसमें साफ कहा गया कि भारत से आम मंगाने पर कोई रोक नहीं है। मंत्रालय के अंतर्गत प्लांट क्वारंटाइन और कीटनाशक प्रबंधन केंद्र ने बताया कि उन्हें तब यह मुद्दा पता चला जब मीडिया और सोशल मीडिया पर खबरें आने लगीं।

जांच कैसे होगी?

नेपाल सरकार ने यह भी बताया कि कीड़े-मकोड़े वाले फल या पौधे अंदर न आएँ, इसके लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। प्लांट क्वारंटाइन और संरक्षण कानून के तहत भारत से आने वाले आमों को 48 डिग्री सेल्सियस के गर्म पानी में एक घंटे तक रखा जाएगा, ताकि कोई हानिकारक कीड़ा न बचे।

खून से लथपथ सड़कें, पीओके में मुनीर की सेना का कत्लेआम

16 प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या!

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके के रावलकोट में एक बार फिर मुनीर की सेना ने कत्लेआम मचाया है। शहर के इंद्गाह मैदान में पाकिस्तानी सेना के जवानों और रेंजर्स ने जमा हजारों निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलीबार



बरसाई हैं। यह घटना उस वक्त हुई, जब वहां के आम नागरिक शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। देखते ही देखते प्रदर्शन अचानक खौफनाक मंजर में बदल गया। पीओके के लोग सस्ता आटा, चावल, बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग कर रहे थे। इस प्रदर्शन में 60,000 से 70,000 लोग जमा हुए थे, उसी समय पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बिना किसी चेतावनी के भीड़ पर गोलियां बरसाना शुरू कर दीं। प्रदर्शन में शामिल कई महिलाएं और बच्चे भी मारे गए हैं।

हत्याओं के बाद भी लोग कर रहे प्रदर्शन

सेना द्वारा की गई इस बर्बरता से पूरे इलाके में आक्रोश पैदा हो गया है। कई इलाकों में लोगों ने बाजार बंद कर दिए और हिंसा के खिलाफ मार्च निकाले हैं। इस प्रदर्शन में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हो रहे हैं और मारे गए लोगों के लिए न्याय मांग रहे हैं। प्रदर्शनकारी नारा लगा रहे हैं, ये जो दहशतगर्दी है, इसके पीछे वंदी है।

अब तक 53 लोगों

की हत्या!

रावलकोट में पाकिस्तानी सेना की बर्बरता के बाद हर तरफ परेशान करने वाला मंजर दिखाई दे रहा है। पीओके में खून से सनी सड़कें, खून से लथपथ खेत और अपनों की तलाश में दुखी परिवार इस कत्लेआम की कीमत चुका रहे हैं। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सेना के जवानों और रेंजर्स द्वारा एके-47 राइफलों से गोलीबारी की गई। इस गोलीबारी में कम से कम 16 नागरिकों की मौत हो गई है और 37 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। कई लोगों के लिए, यह त्रासदी आज शुरू नहीं हुई, शुक्रवार से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ चल रही कार्रवाइयों में अब तक कुल 53 नागरिकों की मौत हो चुकी है।

घमंड टूटा या अवल आई? भारत से सीमा विवाद पर नेपाल सरकार का यू-टर्न

बोला- बातचीत से सुलझाएंगे सीमा विवाद

हिंदमाता नेटवर्क @ काठमांडू

नेपाल-भारत सीमा विवाद में तीसरे देश की मध्यस्थता मामले में नेपाल सरकार यू-टर्न ले लिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया कि सरकार पड़ोसी देश के साथ सीमा विवाद आपसी बातचीत करके सुलझाना चाहती है। बुधवार को नेपाली संसद में संबोधित करते हुए खनाल ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा विवाद दोनों देश के बीच का मामला है। नेपाल समझौतों, ऐतिहासिक संधियों और नक्शों के आधार पर कूटनीतिक बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा कार्य समूह और अन्य निकायों ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है जहां प्राति काफी समय से रुकी थी।

पहले भी दी है सफाई

बता दें, पिछले हफ्ते ही नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने अपने समक्ष विदेश मंत्री एस। जयशंकर से मुलाकात भी की थी। मीडिया एजेंसी से बातचीत में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारतीय इलाके पर नेपाल के कब्जे के बारे में दिए गए बयान पर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा, भरे विदेश मंत्रालय ने इस पर पहले ही साफ कर दिया है।



क्या है पूरा मामला?

हाल ही में नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेद्र शाह ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि भारत ही नहीं नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया हुआ है। साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता के लिए ब्रिटेन से आग्रह भी किया था, जिसे ब्रिटेन ने टुकरा दिया था। विशेषज्ञों की मानें तो नेपाल ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश की थी, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया।

बिजनेस वर्ल्ड

पिजन का 'पुराने को करो नए से एक्सचेंज ऑफर, नए पिजन प्रोडक्ट्स पर पाएं 50% तक छूट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

इंडिया की लीडिंग किचन और होम अप्लायंस कंपनियों में से एक और पॉपुलर पिजन ब्रांड की निमाता कंपनी स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड ने अपना न्यू एक्सचेंज ऑफर लॉन्च किया है। इस ऑफर के तहत कस्टमर्स किसी भी ब्रांड के पुराने कुकवेयर और किचन अप्लायंसेज को, उनकी स्थिति चाहे जैसी भी हो, एक्सचेंज कर सकते हैं और बदले में पिजन के मॉडर्न प्रोडक्ट्स की वाइड रेंज पर 50% तक की अट्रैक्टिव डिकाउंट प्राप्त कर सकते हैं। यह ऑफर देशभर के प्रमुख कुकवेयर और किचन अप्लायंस स्टोर्स के साथ-साथ 330 से ज्यादा पिजन एक्सकुर्सिव आउटलेट्स पर उपलब्ध है। पिजन के प्रोडक्ट की रेंज में प्रेशर कुकर, कुकटॉप, मिक्सर ग्राइंडर, एयर फ्रायर, इंडक्शन कुकटॉप, इलेक्ट्रिक राइस कुकर, ओटीजी, चिमनी, हॉब्स और अन्य कई किचन उत्पाद शामिल हैं। इस ऑफर को पुराने को करो नए से एक्सचेंज नाम से प्रचारित किया जा रहा है, जिसके लिए टेलीविजन, प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया और स्थानीय एक्टिवेशन के माध्यम से व्यापक मल्टीमीडिया अभियान चलाया जा रहा है। पुराने को करो नए से एक्सचेंज अभियान इस सोच पर आधारित है कि ज्यादातर घरों में लोग पुराने और थिसे-पिटे किचन अप्लायंसेज और कुकवेयर का उपयोग करते रहते हैं, भले ही उनमें टूट-फूट दिखाई देने लगे और उनकी कार्यक्षमता कम हो जाए। इस फैल का उद्देश्य ग्राहकों को पुराने प्रोडक्ट्स से छुटकारा दिलाकर नए, स्मार्ट और ज्यादा प्रभावी किचन सोल्यूशंस को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस ऑफर पर टिप्पणी करते हुए राजेंद्र गांधी, प्रबंध निदेशक, स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड ने कहा, किचन घर किसी भी परिवार का सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला हिस्सा होता है, लेकिन इसके बावजूद कई घरों में पुराने कुकवेयर और अप्लायंसेज का इस्तेमाल जारी रहता है। पुराने को करो नए से एक्सचेंज के माध्यम से हमारा उद्देश्य ग्राहकों को अपने पुराने उत्पादों को आसानी से अपग्रेड करने का अवसर देना है, जिससे उन्हें वास्तविक लाभ मिले और उनका किचन अनुभव अधिक सुविधाजनक, बेहतर और आनंददायक बन सके।



सैमसंग ने द बिग बिस्पोक एआई फेस्ट की घोषणा की

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

सैमसंग इंडिया ने द बिग बिस्पोक एआई फेस्ट की घोषणा की है, जो 12 जून से 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। इस दौरान कंपनी अपने बिस्पोक एआई होम अप्लायंसेज पोटफोलियो पर आकर्षक समर ऑफर्स दे रही है। चुनिंदा बिस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और अन्य घरेलू उपकरणों पर ग्राहकों को 20,000 रुपये तक का कैशबैक और एक्सटेंडेड वारंटी जैसे लाभ मिलेंगे, जिससे इस गमी में एआई-सर्माहित स्मार्ट जीवनशैली अपनाना आसान होगा। ऑफर के तहत, चुनिंदा रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन खरीदने वाले ग्राहक सैमसंग केयर+ के माध्यम से एक वर्ष की एक्सटेंडेड वारंटी खरीदकर अतिरिक्त दो वर्ष की वारंटी निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर पर ग्राहक केवल 99 रुपये में एक वर्ष की एक्सटेंडेड वारंटी का लाभ उठा सकते हैं। चुनिंदा टॉप-लोड वॉशिंग मशीनों के इंस्टॉलेशन के समय ग्राहकों को मुफ्त फिल्टर भी दिया जाएगा, जो मशीन को धूल और जंग से बचाकर उसकी आयु बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा, सैमसंग फाइनेंस+ के माध्यम से खरीदारी करने पर ग्राहकों को 1000 रुपये तक का कैशबैक मिलेगा। यह पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे खरीदारी का अनुभव आसान होने के साथ इसकी पहुंच भी बढ़ती है। इसके अलावा, एयर कंडीशनर खरीदने वाले ग्राहकों को 5 वर्ष की कंफ्रीडेंस वारंटी का लाभ मिलेगा, जो उत्पाद की दीर्घकालिक विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हुए उपयोगकर्ताओं को अतिरिक्त भरोसा देता है। द बिग बिस्पोक एआई फेस्ट के ऑफर रेडरल्ले ड्रै, प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और देशभर के चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। सैमसंग के बिस्पोक एआई अप्लायंसेज एक्वाइर एआई और स्मार्ट कनेक्टिविटी तकनीक से लैस हैं, जो उपयोगकर्ताओं को अधिक स्मार्ट, सहज और ऊर्जा-कुशल अनुभव प्रदान करते हैं।



फाइटर जेट के पुर्जों में फर्जीवाड़ा, सप्लायर कंपनी पर एचएएल ने कराई एफआईआर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना के लिए बन रहे लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट एमके-1ए फाइटर जेट प्रोग्राम में एक सप्लायर द्वारा कथित तौर पर फर्जी टेस्ट रिपोर्ट जमा करने का मामला सामने आया है।



मनीकटरोल की एक खबर के मुताबिक, इस गंभीर लापरवाही को संज्ञान में लेते हुए एचएएल ने हैदराबाद की कंपनी टेक एयरो डेवाइस के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करा दी है। मामले की शुरुआत मार्च 2022 में हुई थी। उस वक्त एचएएल के एयरक्राफ्ट डिवीजन ने एलसीए एमके-1ए प्रोजेक्ट से जुड़े कलपुर्जों की सत्यापन के लिए टेक एयरो डेवाइस को 18 परचेज ऑर्डर दिए थे। नियमों के मुताबिक, शुरुआत में कंपनी के सैप्लस, तकनीकी दस्तावेजों और टेस्ट रिकॉर्ड्स की कड़ी जांच की गई। इस रिव्यू के बाद सप्लायर को 35 अलग-अलग फैटोरा की के तहत कुल 172 तरह के आइटम बनाने की मंजूरी दे दी गई। सब कुछ तय प्रक्रिया के तहत चल रहा था, लेकिन असल परेशानी तब शुरू हुई जब थोक में माल की डिलीवरी का वक्त आया। रक्षा खरीद के कई नियमों के तहत सप्लायर को भारी मात्रा में डिलीवरी करते समय ऑरिजिनल टेस्ट सर्टिफिकेट जमा करने होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, टेक एयरो डेवाइस ने वॉलेंट्री पैरामेटर्स साबित करने के लिए 199 टेस्ट रिपोर्ट एचएएल को सौंप दी। इन रिपोर्ट्स में पुर्जों की मजबूती (टेन्साइल स्ट्रेंथ), कठोरता (हार्डनेस), ब्रेक लोड, नॉन-डिस्टॉर्टिव डेस्टिंग, माइक्रोस्ट्रक्चर पनालिसिस और साल्ट स्प्रे टेस्टिंग जैसी जांचों के नतीजे शामिल थे। आप्रप है कि विमान की सुरक्षा तय करने वाले इन अहम पैरामों की ये सभी रिपोर्ट फर्जी थीं। जांच के नतीजे सामने आने के बाद, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने इस सप्लायर पर बेहद सख्त एक्शन लिया है। एचएएल ने पहले कंपनी को एक कार्रवार बताओ नोटिस जारी किया था। इसके बाद सप्लायर की तरफ से आए जवाब की गहन समीक्षा की गई और आंतरिक विचार-विमर्श के बाद टेक एयरो डेवाइस को तीन साल के लिए अपनी मान्यता प्राप्त चेंबर लिस्ट से बाहर कर दिया गया। इस फैसले के बाद अब वह कंपनी 10 मार्च, 2027 तक इस डिफेंस मैनुफैक्चरर के साथ कोई नया कारोबार नहीं कर सकेगी।

'100 रुपए का हो जाए एक डॉलर', देश का कारोबारी क्यों मांग रहा ऐसी दुआ?

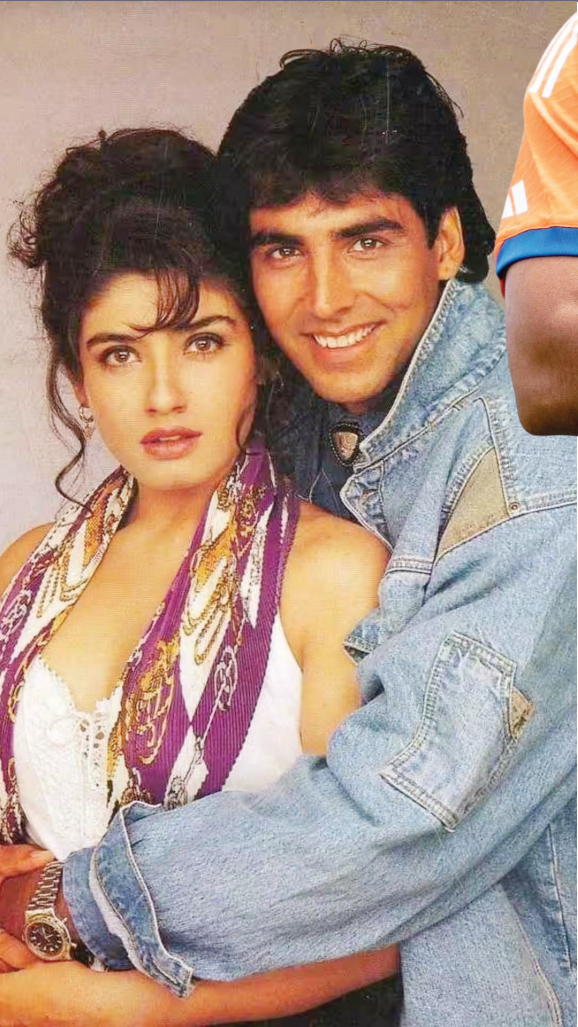
हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भले ही डॉलर के मुकाबले में रुपया अपने लाइफ्टाइम लोअर लेवल से 1.25 रुपए मजबूती पर दिखाई दे रहा हो, लेकिन गुरुवार को रुपए में 50 पैसे की गिरावट देखने को मिली है। खास बात तो ये है कि जिस



तरफ से जियो पॉलिटिकल हालात हो चुके हैं, उसकी वजह से भारतीय रुपए में और गिरावट देखने को मिल सकती है। उसका कारण है हार्जुल स्ट्रेट पर एक बार फिर से पूरी तरह से बंद हो जाना। जिसकी वजह से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है और भारत फिस्कल डेफिसिट बढ़ने का खतरा हो सकता है। जिसका असर रुपए में देखने को मिल सकता है। ऐसे जब भी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया कमजोर होता है, तो इसे देश की इकोनॉमी के लिए एक चिंता का विषय माना जाता है। लेकिन भारतीय उद्योग जगत और नीतिगत गतिविधियों के भीतर इस समय एक बिकूल उलट और चौकाने वाली ख़ोरी पर बहस तेज हो गई है। ग्लोबल अनसर्टेनिटी और जियो पॉलिटिकल टेंशन के बीच इकोनॉमिक जानकारी का मानना है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया ज्यादा मजबूत बन सकती है, लेकिन इसके पीछे मेक इन इंडिया का रफ्तार देने और ग्लोबल मार्केट में चीन-वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धियों को पछाड़कर भारत को ग्लोबल फेक्ट्री बनाने की एक सीढ़ी-समझी रणनीतिक सोच काम कर रही है। आज से ठीक 35 साल पहले 1991 में जब भारत ने बैलेंस ऑफ पेमेंट के संकट के बाद अपनी इकोनॉमी को दुनिया के लिए आपन किया था, तब एक डॉलर की कीमत महज 35 रुपए थी और सालाना तौर 22 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। तब से अब तक रुपया सफ़ा 3 फीसदी की दर से कमजोर हुआ है, जबकि तेल की कीमतें हर साल आसतन 4 फीसदी बढ़ी हैं।

22 साल बाद बड़े पर्दे पर फिर लौटेगा अक्षय कुमार रवीना टंडन



बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म वेलकम टू द जंगल को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। इस मूवी की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें रवीना टंडन की भी एंट्री होगी। कम से कम 22 सालों बाद अक्षय कुमार और रवीना एक साथ बड़े परदे नजर आएंगे। दोनों को साथ में देखने के लिए उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। आपको बता दें कि 90s के दौर में दोनों की जोड़ी सबसे बेस्ट मानी जाती थी। दोनों ने बहुत सी फिल्मों में एक-साथ काम किया था और अब फिर से दर्शकों को 90s का रोमांस देखने को मिलेगा।

अक्षय कुमार और रवीना टंडन की पुरानी फिल्में

आपको बता दें कि अक्षय कुमार और रवीना ने एक-साथ लगभग 7 फिल्मों में काम किया है। इनमें मोहरा, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, दावा, बारूद, कीमत, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, पुलिस फोर्स शामिल हैं।

26 जून को रिलीज होगी फिल्म वेलकम टू द जंगल

अक्षय कुमार और रवीना की मूवी वेलकम टू जंगल जल्द ही 26 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में रवीना टंडन के साथ संजय दत्त, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी और जैकलीन फर्नांडिस जैसे बड़े सितारें शामिल होंगे।

मोनालिसा का मां बनने का सपना अभी भी अधूरा

भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री मोनालिसा और उनके पति विक्रान्त सिंह की शादी को 9 साल हो चुके हैं। हाल ही में विक्रान्त ने अपनी फॅमिली प्लानिंग को लेकर खुलकर बात की और बताया कि दोनों लम्बे समय से माता-पिता बनने की इच्छा रखते हैं। इस सपना को पूरा करने के लिए उन्होंने IVF का भी सहारा लिया और लेकिन किसी फिटर भी यह सफल नहीं हो पाया। इसके साथ उन्होंने बताया कि लेकिन अभी भी उनके मन में बहुत उम्मीद है वो पूरी कोशिश करेंगे।

फैमिली प्लानिंग को लेकर क्या बोले मोनालिसा के पति?

एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान जब उनसे बच्चे की प्लानिंग के बारे में पूछा गया कि बेबी न होने की वजह से क्या आपके रिश्ते में कोई दिक्कत आ रही है? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वैसे तो मैं बहुत स्ट्रॉंग हूँ लेकिन कई बार ऐसा समय आता है मैं फ्रीज हो जाता हूँ और यह भी भूल जाता हूँ कि ऐसे मौकों पर क्या करना चाहिए। विक्रान्त सिंह ने इस विषय पर बात करते हुए कहा कि पहले उनकी प्रार्थना करियर, सफलता और पहचान बनाने पर थी। उस समय दोनों अपने काम में व्यस्त थे, लेकिन अब वे माता-पिता बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कुछ भी अचानक नहीं होता और हर चीज का एक सही समय होता है। विक्रान्त ने बताया कि उन्होंने बच्चे के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन अभी तक उन्हें सफलता नहीं मिली। साथ ही उन्होंने यह भी साझा किया कि परिवार के लोग, खासकर उनकी माँ और बहन, अब उनसे बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। ऐसे में उन पर भी जिम्मेदारी और भावनात्मक दबाव बढ़ रहा है, क्योंकि वे हमेशा इस विषय को टालते नहीं रह सकते।



भारतीय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 23 जून को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित होंगे। इसकी घोषणा सरकार ने आज की। रोहित शर्मा सफेद गेंद की क्रिकेट (एकदिवसीय और टी-20 प्रारूप) में भारत के सफलतम बल्लेबाजों में से एक हैं। रोहित शर्मा बतौर कप्तान भारत को टी-20 विश्वकप और चैंपियन्स ट्रॉफी जीता चुके हैं और महेंद्र सिंह धोनी के बाद सबसे सफल कप्तान हैं।



बीसीसीआई ने श्रीलंका दौरे के लिए किया U19 टीम का ऐलान

● द्रविड के बेटे को मिली जगह

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई की जूनियर क्रिकेट सिलेक्शन कमिटी ने गुरुवार 11 जून को श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए इंडिया की मेंस अंडर-19 टीम का ऐलान किया है। इस दौरे पर भारत की अंडर 19 टीम को तीन वनडे मैच और दो बहु-दिवसीय मैच खेलने हैं। इस टीम की कप्तानी बीसीसीआई ने यशवर्धन सिंह चौहान को दी है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। इस सिलेक्शन की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड के बेटे अन्वय द्रविड को वनडे टीम में शामिल किया गया है। द्रविड के बेटे ने टीन एज क्रिकेट में कमाल का प्रदर्शन अब तक किया है। एकदिवसीय टीम में विकेटकीपर के तौर पर रजत बघेल और अन्वय द्रविड को शामिल किया गया है, जबकि बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए विकेटकीपिंग के लिए मानव कृष्ण और आर्यन संदेश सकपाल को टीम में चुना गया है।

भारत अंडर-19 बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए टीम इस प्रकार है

यशवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), सागर विक्रं, लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), पटेल कुश, मनाल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्ण (विकेटकीपर), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपर), हेमचंद्रेशन जे, बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काय पंरेश पटेल, प्रियाशु सिंह, प्रणव रावेंद्र, विगुरुपति वेंकट। आपकी जानकारी के लिए बता दें, बीसीसीआई की जूनियर सिलेक्शन कमिटी ने जिस टीम का चयन किया है, उसमें उन खिलाड़ियों को तरजीह नहीं दी गई है, जिन्होंने हाल ही में अंडर 19 विश्व कप जीता था। बीसीसीआई की चयन समिति ने नए खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है और उन्हें इंटरनेशनल लेवल का एक्सपोजर देने का फैसला किया है। अंडर 19 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी आईपीएल खेलें हैं, लेकिन मौजूदा अंडर 19 टीम का एक भी खिलाड़ी आईपीएल में नहीं खेला है। ऐसे में इन खिलाड़ियों के पास छाप छोड़ने का मौका है। इसी के बलबूते वह आईपीएल के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कर पाएंगे। इसके अलावा अगर उन्होंने इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया तो फिर प्रेंचाइजियों की भी नजर उन पर रहेगी। इसके साथ-साथ उन्हें डोमेस्टिक टी-20 लीग्स में भी खेलने के ऑफर अपने-अपने स्टेट बोर्ड से मिल सकते हैं, क्योंकि कई स्टेट एसोसिएशन अपनी टी-20 लीग शुरू कर चुके हैं।

भारत की अंडर-19 वनडे टीम इस प्रकार है

यशवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), सागर विक्रं, लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), विनीत वीके, अर्जुन रजपूत, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल (विकेटकीपर), अन्वय द्रविड (विकेटकीपर), अनमोलजीत सिंह, वृत्तकुरी यशवीर गौड़, रोहित अनिल यादव, शविन वी, काय पंरेश पटेल, मोहित उलवा, ईशान सूरु।

अफगानिस्तान के खिलाफ लगाया शतक शुभमन गिल को पहुंचा गया टॉप 10 रैंक में

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में लगा शतक भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को टेस्ट की रैंकिंग में आठवें पायदान पर ले आया। शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ 126 रनों की पारी खेली थी। अब शुभमन गिल हमवतन भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल से आगे निकल चुके हैं जिनकी रैंक 9वां है।

■ इस टेस्ट में भारत ने अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया था। भारत ने सिर्फ एक बार बल्लेबाजी की थी और शुभमन गिल टॉप स्कोरर रहे थे। टेस्ट के पहले दिन गिल ने गिल ने 143 गेंदों की नाबाद शतकीय पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान शुभमन गिल हालांकि 126 रनों की पारी खेल पवेलियन लौट गए। शुभमन गिल ने 177 गेंदों में 15 चौके और एक छक्का लगाते हुए 126 रनों की पारी खेली। कुल रैंकिंग की बात करें तो इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक जो रूट को हटाकर नंबर एक की रैंक पर काबिज हो गए हैं और वहीं ट्रैविस हेड दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इसके बाद जो रूट हैं जो तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। चौथा स्थान ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का है।

रुतुराज गायकवाड़ ने तोड़ा विराट कोहली का वर्ल्ड रेकॉर्ड



टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ इस समय ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर हैं। यहां वह मेजबान श्रीलंका और अफगानिस्तान के खिलाफ जारी ट्वार्ड नेशन सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं। सीरीज की शुरुआत से ही गायकवाड़ तगड़ी फॉर्म में नजर आए हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले मुकाबले में उन्होंने शतक जड़ा, वहीं आज अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने शानदार फिफ्टी जड़ते हुए 66 रनों की पारी खेली। इस पारी के साथ वह विराट कोहली का वर्ल्ड रेकॉर्ड तोड़ने में कामयाब रहे। यह रेकॉर्ड है लिस्ट ए क्रिकेट में कम से कम 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में बेस्ट औसत का।

■ रुतुराज गायकवाड़ ने इन 66 रनों के साथ लिस्ट ए क्रिकेट में 5227 रन हो गए हैं, जो उन्होंने वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज्यादा 59.39 की औसत के साथ बनाए हैं। वहीं विराट कोहली दूसरे पायदान पर खिसक गए हैं। कोहली के नाम 16447 रन 57.91 की औसत के साथ दर्ज हैं। इस लिस्ट में माइकल बेबन, वेलेथर पुजारा और एबी डी विलियर्स जैसे कई खिलाड़ी हैं। आईए एक नजर पूरी लिस्ट पर डालते हैं।

वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह ने दी तूफानी शुरुआत

अफगानिस्तान ए ने भारत ए के खिलाफ इस मैच में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी है। मैच से पहले हुई बारिश के चलते उन्होंने यह फैसला लिया। हालांकि बारिश का सर वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह पर नहीं पड़ा। वैभव सूर्यवंशी ने 21 गेंदों पर 44 तो प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों पर 84 रनों की पारी खेली। इसके बाद रुतुराज गायकवाड़ ने 66 रन बनाकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। टीम इंडिया की नजरें अफगानिस्तान को 350 के आस-पास का टारगेट देने पर होगी। कप्तान तिलक वर्मा खबर लिखे जाने तक अर्धशतक जड़ चुके हैं और क्रीज पर मौजूद हैं। भारत का स्कोर 281/5 है।

GAME & GLAMOUR

● इस मामले में बने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह ने दी तूफानी शुरुआत

अफगानिस्तान ए ने भारत ए के खिलाफ इस मैच में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी है। मैच से पहले हुई बारिश के चलते उन्होंने यह फैसला लिया। हालांकि बारिश का सर वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह पर नहीं पड़ा। वैभव सूर्यवंशी ने 21 गेंदों पर 44 तो प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों पर 84 रनों की पारी खेली। इसके बाद रुतुराज गायकवाड़ ने 66 रन बनाकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। टीम इंडिया की नजरें अफगानिस्तान को 350 के आस-पास का टारगेट देने पर होगी। कप्तान तिलक वर्मा खबर लिखे जाने तक अर्धशतक जड़ चुके हैं और क्रीज पर मौजूद हैं। भारत का स्कोर 281/5 है।

■ रुतुराज गायकवाड़ ने इन 66 रनों के साथ लिस्ट ए क्रिकेट में 5227 रन हो गए हैं, जो उन्होंने वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज्यादा 59.39 की औसत के साथ बनाए हैं। वहीं विराट कोहली दूसरे पायदान पर खिसक गए हैं। कोहली के नाम 16447 रन 57.91 की औसत के साथ दर्ज हैं। इस लिस्ट में माइकल बेबन, वेलेथर पुजारा और एबी डी विलियर्स जैसे कई खिलाड़ी हैं। आईए एक नजर पूरी लिस्ट पर डालते हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक औसत (कम से कम 5000 रन)	
59.39 - रुतुराज गायकवाड़ (5227 रन)*	
57.91 - विराट कोहली (16447 रन)	
57.86 - माइकल बेबन (15103 रन)	
57.01 - सी पुजारा (5759 रन)	
53.52 - खुर्श मंजूर (7922 रन)	
53.47 - एबी डेविलियर्स (11123 रन)	
53.39 - बाबर आजम (9772 रन)	
53.11 - जेम्स टेलर (5365 रन)	
53.00 - शान मसूद (6413 रन)	
52.30 - सलीम इलाही (6277 रन)	
51.25 - शुभमन गिल (5228 रन)	
50.38 - एमएस धोनी (13353 रन)	

इंडिया ए (प्लेइंग 1): वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (w), प्रियांशु आर्य, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा (c), आयुष बर्दानी, सूर्यशु शेगो, अरशद खान, विप्राज निगम, अनुकूल रॉय, अशुल कंबोज

‘वेलकम टू द जंगल’ का ट्रेलर रिलीज



बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में दर्शकों को गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। उनकी सुपरहिट फ्रेंचाइजी ‘वेलकम टू द जंगल’ का मजेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट की झलक दिखाई दे रही है। 4 मिनट से ज्यादा लंबा यह ट्रेलर रिलीज होते ही इंटरनेट पर नंबर वन पर ट्रेंड कर रहा है। फिल्म का यह ट्रेलर न सिर्फ हंसने पर मजबूर करता है, बल्कि इसमें जबरदस्त एक्शन और जंगल का खतरनाक एडवेंचर भी देखने को मिल रहा है। फिल्म हंसी और रोमांच का डबल डोज देने वाली है।

■ इस बार फ्रेंचाइजी ने अपनी पुरानी परंपरा को बदला है। जहां पिछले दोनों पार्ट शहरी प्रेभूमि और अंडरवर्ल्ड के ड्रै-गिर्द घूमते थे, वहीं ‘वेलकम टू द जंगल’ की पूरी कहानी एक घने जंगल में सेट की गई है। ट्रेलर से साफ हिंट मिलता है कि कहानी एक फर्जी फिल्म प्रोजेक्ट के बारे में है, जिसका नेतृत्व खुद अक्षय कुमार कर रहे हैं। वे कलाकारों और फिल्म मेकर्स को एक अजीबोगरीब टोली के साथ जंगल में शूटिंग करने पहुंचते हैं। कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब यह नकली शूटिंग असल जिंदगी के खतरों और असली डकैतों के बीच फंस जाती है। इसके बाद शुरू होता है गलतफहमियों, नकली मुठभेड़ों, और अंतरंगी हदसों का ऐसा दौर जो दर्शकों को लोटपोट होने पर मजबूर कर देगा।

■ ‘वेलकम टू द जंगल’ की सबसे बड़ी यूएसपी इसकी कास्ट है। इसे हालिया हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी स्टार-कास्ट वाली फिल्म माना जा रहा है। फिल्म में 30 से ज्यादा मुख्य और सपोर्टिंग एक्टर्स शामिल हैं। अक्षय कुमार के साथ संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, पंरेश रावल, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस और दिशा पाटनी मुख्य किरदारों में नजर आ रहे हैं। जॉनी लीवर, राजपाल

यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर और आफताब शिवदासानी जैसे दिग्गज कॉमेडियन इस बार हंसी का डोज दोगुना करने वाले हैं। इस फॉरेस्ट-कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म को बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप के बैनर तले फिरोज ए. नाडियाडवाला द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। ‘वेलकम टू द जंगल’ 26 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गरीब बच्चों संग मनाया मनीषा रानी ने अपना जन्मदिन

आज मनीषा रानी किसी भी इट्रोडक्शन की मोहताज नहीं हैं। बिग बॉस में आने के बाद उनकी किस्मत में ऐसा मोड़ लिया कि अब हर कोई उन्हें जानता है। हाल ही में मनीषा रानी ने अपना जन्मदिन मनाया और अब वो 29 साल की हो गई हैं। इस मौके की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। जहां एक तरफ सैलिब्रिटी बड़ी-बड़ी पार्टीज के जरिए अपना बर्थडे मनाते हैं तो वहीं मनीषा रानी ने बहुत ही सिंपल तरीके से अपना जन्मदिन मनाया। अपना 29वें जन्मदिन को खास बनाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अभिनेत्री मनीषा रानी ने जरूरतमंद लोगों के बीच खुशियां बांटने का फैसला किया। उन्होंने न केवल उपहार वितरित किए, बल्कि उनके साथ समय बिताकर इस दिन को और भी यादगार बनाया। मनीषा के इस सवेंशील और सरल अंदाज ने लोगों का दिल जीत लिया। उनका यह अनोखा बर्थडे सेलिब्रेशन सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और फैंस उनकी दरियाफिली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स उन्हें सच्चे मायनों में रानी बताते हुए उनके इस कदम को प्रेरणादायक बता रहे हैं।

